

शत-प्रतशित जन्म एवं मृत्यु नबिंधन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अभियान का शुभारंभ एवं 'झारखंड ए स्टैटिस्टिकल प्रोफाइल 2022' का वमिोचन

चर्चा में क्यों?

14 जुलाई 2023 को झारखंड के वित्तमन्त्री डॉ.रामेश्वर उराँव ने प्रोजेक्ट भवन, राँची में जन्म-मृत्यु नबिंधन के शत-प्रतशित लक्ष्य को प्राप्त करने एवं नबिंधन से संबंधित व्यापक जन-जागरूकता पैदा करने के तहत विशेष अभियान का शुभारंभ किया तथा अर्थ एवं सांख्यिकी नदिशालय, झारखंड के द्वारा नरिमिति 'झारखंड ए स्टैटिस्टिकल प्रोफाइल 2022' का वमिोचन किया।

प्रमुख बदि

- यह अभियान 14 जुलाई, 2023 से 14 अगस्त, 2023 तक चलेगा।
- इस विशेष जागरूकता अभियान के दौरान राज्य के सभी 4962 जन्म-मृत्यु नबिंधन इकाइयों में पोस्टर, बैनर आदि लगाकर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि शत-प्रतशित नबिंधन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।
- इस कार्य में सभी घोषित सूचकों यथा आंगनबाड़ी सेविका, सहया तथा स्कूलों के प्रधानाध्यापक को जन्म सूचना प्रपत्र -1 एवं मृत्यु सूचना प्रपत्र -2 भरकर संबंधित नबिंधक (जन्म-मृत्यु) को उपलब्ध कराने की जमिमेवारी सौंपी गई है।
- सूचकों से प्राप्त सूचना प्रपत्र की जाँच कर सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा कर नबिंधक जन्म एवं मृत्यु का नबिंधन करना सुनिश्चित करेंगे, तत्पश्चात संबंधित व्यक्तियों को जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र उपलब्ध करायेंगे।
- अभियान का प्रचार-प्रसार चलति वाहनों के द्वारा भी किया जाएगा।
- सभी महत्त्वपूर्ण स्थलों पर बैनर, पोस्टर के अतिरिक्त डिजिटल स्क्रीन पर जन्म-मृत्यु नबिंधन से संबंधित सूचना एवं जानकारी प्रसारित की जाएगी।
- **ORGI, New Delhi** के नरिदेश के आलोक में जन्म एवं मृत्यु का शत-प्रतशित नबिंधन कराना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।
- उल्लेखनीय है कि इस तरह का विशेष अभियान राज्य में पहली बार आयोजित किया जा रहा है, ताकि सभी आम जन जन्म- मृत्यु नबिंधन के महत्त्व एवं उससे प्राप्त होने वाले लाभ से अवगत हो सकें।
- जन्म-मृत्यु नबिंधन कराना बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसके नहीं होने से लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई ऐसे लोग हैं, जिनकी जन्म तथि अंदाज पर उनके स्कूल आदि में दर्ज हो गया। वही उनका जन्म प्रमाण-पत्र हो गया। इससे उनके 60 वर्ष पूर्ण होने से पहले ही उन्हें स्कूल जन्म प्रमाण-पत्र के आधार पर रटायरमेंट मलि गया।
- वही कई जगह ऐसे भी उदाहरण मलि जाते हैं कि छोटे एवं बड़े भाई बहन दोनों का जन्म का दविस एक ही है। सरकार द्वारा इन सभी तरह की समस्याओं के नरिाकरण हेतु इस अभियान को चलाया जा रहा है।
- जन्म के साथ-साथ मृत्यु का भी नबिंधन कराना बहुत महत्त्वपूर्ण है। यह पूर्वजों की संपत्ति प्राप्त करने, कोर्ट कचहरी के मामले में महत्त्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में काम आता है। साथ ही मृत्यु प्रमाण-पत्र का बैंक एवं एलआईसी की पॉलिसी में भी महती भूमिका है। एक महीने तक चलने वाले इस अभियान का मुख्य लक्ष्य यही है कि लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि इसके लक्ष्य की प्राप्ति हो सके।
- शक्तिषा वभिाग के सचवि के रवकिुमार ने बताया कि सभी स्कूलों में बच्चों के जन्म का नबिंधन इस अभियान के माध्यम से होगा। राज्य में हर साल करीब 6 लाख छोटे बच्चों का नामांकन होता है। सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापक को इस संबंध में नरिदेशित किया गया है।
- चुनाव आयोग भी 31 जुलाई से मतदाता पुनरीक्षण अभियान चला रहा है। ऐसे में जन्म एवं मृत्यु नबिंधन अभियान से आयोग भी समन्वय स्थापति कर मतदाता सूची अपग्रेड कर सकेगा।
- यूनिसेफ की राज्य प्रमुख कनीनिका मतिर ने बताया कि जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण अनविार्य है। इसके लयि 1969 में कानून बनाया गया था। जन्म का पंजीकरण हर बच्चे का अधिकार है। यह एक कानूनी दस्तावेज होता है। पूरे राज्य में इस अभियान से लोगों को लाभ होगा और सरकार के पास राज्य की जनसंख्या के बारे में एक पुख्ता जानकारी उपलब्ध रहेगी।
- इस अवसर पर माननीय वित्तमन्त्री रामेश्वर उराँव ने अर्थ एवं सांख्यिकी नदिशालय, झारखंड के द्वारा नरिमिति 'झारखंड ए स्टैटिस्टिकल प्रोफाइल 2022' का वमिोचन किया।
 - इस पुस्तक के वषिष में जानकारी देते हुए नदिशक सह अपर मुख्य रजसिटरार (जन्म - मृत्यु) राजीव रंजन ने बताया कि इस पुस्तक में वित्तीय वर्ष 2020-2021 एवं 2021-2022 के आंकड़ों को शामिल किया गया है।
 - इस पुस्तक में अर्थ एवं सांख्यिकी नदिशालय द्वारा कृषि सांख्यिकी, जीवनांक, राज्य की आय, कृषि श्रमिकों की दैनिक मजदूरी एवं औद्योगिक सांख्यिकी से संबंधित आंकड़ों को शामिल किया गया है।
 - इसके अतिरिक्त इस पुस्तक में वभिनिन वभिागों यथा स्वास्थ्य, ऊर्जा, पथ, खान, पशुपालन, जल संसाधान, शक्तिषा, ग्रामीण कार्य, यातायात, ग्रामीण वकिस, पर्यटन, पेयजल एवं स्वच्छता, समाजिक सुरक्षा, वन, सहकारिता, पंचायती राज, वाणजिय कर, खाद्य आपूर्ति,

रोज़गार एवं सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित आँकड़ों को शामिल किया गया है।

- नदिशालय के द्वारा प्रयास किया गया है कि इस पुस्तक में सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति से संबंधित आँकड़ों को शामिल किया जाए।
- इस पुस्तक में 28 चैप्टर हैं, जसमें वभिन्न वभिर्गों के आँकड़े प्रकाशित किये गए हैं। यह पुस्तक योजना बनाने वाले, शोधकर्त्ता, आर्थिक एवं वत्तीय नीति निर्धारकों, प्रशासकों एवं अर्थशास्त्रियों के लिये उपयोगी सिद्ध होगी।

